@TSJMC__CCSU
@TilakNewsCCSU
@tsjmc_ccsu

मासिक समाचार पत्र

परिसर

प्रदेश में 1st, देश में 4th रैंकिंग वाला मीडिया संस्थान

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

दिसंबर 2024 अंक

चौधरी चरण सिंह जयंती पर आयोजित हवन में भाग लेतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

तीन साल रहे बेमिसाल

आगे भी होगा कमाल

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को निरंतर आगे बढ़ा रहीं प्रोफेसर संगीता शुक्ला अगले तीन वर्ष के लिए भी बनीं कुलपति

मैं इस जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालय की समृद्धि और प्रगति के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। हमारा उद्देश्य शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाना है।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ही अगले तीन वर्ष के लिए भी कुलपति रहेंगी। कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने आदेश जारी कर प्रोफेसर शुक्ला को दूसरा टर्म प्रदान करते हुए अगले तीन वर्ष के लिए कुलपति बनाए जाने का आदेश जारी किया। कुलाधिपति के आदेश के बाद सोमवार 23 दिसंबर की शाम करीब पांच बजे प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने दोबारा कुलपति का पदभार ग्रहण किया। उनका कार्यकाल 23 दिसंबर तक का ही था।

कुलाधिपति का आदेश आने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति आवास पहुंचकर तमाम विभागाध्यक्षों, अधिकारियों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने प्रो. संगीता शुक्ला को बधाई दी। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय की समृद्धि और प्रगति के लिए हरसंभव प्रयास करने को प्रतिबद्ध रहेंगी। शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक ले जाना प्रमुख उद्देश्य होगा।

उपलब्धियां

- सीसीएसयू को पहली बार नैक मूल्यांकन में 3.66 सीजीपीए अंक के साथ ए प्लस प्लस रैंक मिली
- क्यू एस वर्ल्ड रैंकिंग में 219 रैंक मिली
- एनआईआरएफ रैंकिंग में पहली बार में 151–200 के बैंड में शामिल होने में सफलता मिली
- जुलाई 2024 में स्पेन की वेबोमेट्रिक्स की रैंकिंग में देशभर के 5,500 उच्च शिक्षण संस्थानों में 139वीं रैंक
- वेबोमेट्रिक्स की रैंकिंग में विश्व भर के 32,000 संस्थानों में 2,876वीं और एशिया में 908वीं रैंक
- सिमैगो इंस्टीट्यूशंस रैंकिंग में देश में 35वीं रैंक।
- सिमैगो रैंकिंग में देश के राज्य विश्वविद्यालयों में दूसरी, प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में पहली रैंक
- सीसीएसयू को देश के उच्च शिक्षा में एडब्यू रैंक 60वीं और यूनिवर्सिटी रैंक 92वीं मिली
- पीएम–उषा यानी प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के अंतर्गत 100 करोड़ रुपये मिले
- अकादमिक सुधार, शोध में उन्नति, और रोजगारपरक शिक्षा की दिशा में कदम उठाए गए
- हरित परिसर, डिजिटल शिक्षण प्रणाली और सामुदायिक विकास परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया

शुभकामनाएं... अगले तीन वर्ष के लिए पुनः कुलपति नियुक्त होने पर प्रोफेसर संगीता शुक्ला को बधाई देते विश्वविद्यालय के कर्मचारी।

प्रोफेसर संगीता शुक्ला को बधाई देते तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार।

शोध पर फोकस बढ़ेगा, छात्रों को ज्यादा मौके मिलेंगे

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू का दोबारा कार्यभार ग्रहण करने के बाद पत्रकार वार्ता में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय में अब उच्च गुणवत्ता वाले शोध पर पूरा फोकस किया जाएगा। शोध के क्षेत्र में विद्यार्थी आगे बढ़ेंगे तो विश्वविद्यालय भी आगे बढ़ेगा।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अभी तक पांच मेधावी छात्राओं को विदेश में पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता था, लेकिन अब यह संख्या 10 की जाएगी।

पिछले सालों में विश्वविद्यालय ने जो भी रैंकिंग हासिल की हैं, उनमें सुधार किया जाएगा। एनआईआरएफ और क्यूएस रैंकिंग को भी बेहतर किया जाएगा।

भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट मंत्रलाय और विभिन्न उद्योगों के साथ तालमेल बनाकर रोजगारपरक कोर्स शुरू किए जाएंगे। समय की मांग के अनुसार नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और प्राइवेट कोर्स अभी साथ–साथ चलेंगे। प्राइवेट कोर्स को अभी बंद नहीं किया जाएगा।

लघु फिल्म महोत्सव 'नवांकुर–2025' एक और दो मार्च को

परिसर संवाददाता

मेरठ। मेरठ चलचित्र सोसाइटी एवं तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल सीसीएसयू की ओर से आगामी एक और दो मार्च 2025 को लघु फिल्म महोत्सव 'नवांकुर–2025' आयोजित होगा। यह जानकारी मेरठ चलचित्र सोसायटी के अध्यक्ष एवं तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रो. प्रशान्त कुमार ने शुक्रवार 27 दिसंबर को प्रेस वार्ता के दौरान दी।

उन्होंने बताया कि यह लघु फिल्म महोत्सव आसपास के फिल्मों में रुचि रखने वाले युवाओं को एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए है। इसके साथ ही उनके कौशल विकास में वृद्धि की जाती है। प्रदेश सरकार के प्रोजेक्ट के तहत फिल्म सिटी नोएडा में विकसित हो रहा है। इसका लाभ मेरठ एवं आसपास के प्रतिभाशाली कलाकारों, फिल्म तकनीकी एवं फिल्म के विभिन्न आयामों से जुड़े लोगों को मिले, ऐसा उद्देश्य है। भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता, भारत की महान विभूतियों से आम जनता परिचित हो, इस महोत्सव को करने का यह लक्ष्य है।

फिल्मोत्सव का पोस्टर जारी करते मेरठ चलचित्र सोसायटी के पदाधिकारी।

चलचित्र सोसायटी के सचिव अंबरीश पाठक ने बताया कि महोत्सव में फिल्मों को दो श्रेणियों में रखा गया है। प्रथम श्रेणी 5 मिनट तथा दूसरी 5 से 15 मिनट की है। 5 से 15 मिनट तक की फिल्मों में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता को 21 हजार की धनराशि मिलेगी। द्वितीय पुरस्कार के रूप में 11 हजार रुपए मिलेंगे। 5 मिनट की श्रेणी में प्रथम स्थान वाली फिल्म को 11 हजार रुपए, द्वितीय को 5100 रुपए दिए जाएंगे। दोनों श्रेणियों में तीन–तीन सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

प्रेस वार्ता में सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मनोज श्रीवास्तव, सुमन्त डोगरा, नीता गुप्ता, डॉ. बीनम यादव, बंशीधर चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे।

बलिदान को रखें याद : महान क्रांतिकारी शहीद धन सिंह कोतवाल की जयंती पर सामुदायिक केंद्र में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों के कारण ही आज हम स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं।

Ruskin Bond

Weaving Eco-Consciousness into the Fabric of Children's Literature

Bond's stories, set amidst the breathtaking backdrop of the Garhwal Himalayas, inspire eco-consciousness among children, subtly conveying the importance of environmental awareness through imaginative storytelling

Article by Zoya Siddiqui

Indian English literature has undergone a remarkable transformation since independence, with distinguished authors like Ruskin Bond contributing significantly to its evolution. Children's literature, an essential component, has played a pivotal role in shaping young minds and fostering a deep connection with nature.

Bond's stories, set amidst the breathtaking backdrop of the Garhwal Himalayas, inspire eco-consciousness among children, subtly conveying the importance of environmental awareness through imaginative storytelling.

Children's literature has emerged as a powerful tool in promoting eco-consciousness. Picture books and short stories captivate children's imagination, teaching valuable lessons that transcend the confines of textbooks.

Bond's stories, resonating with Indian children, reflect realistic experiences and emotions, capturing their innocence, enthusiasm, and optimism. Bond's affinity for Romantic era ideals is evident in his profound reverence for nature.

His works emphasize the imperative of preserving nature for humanity's survival, underscoring the intricate interconnectedness of human and non-human entities. Through child protagonists, Bond creates eco-consciousness among children, encouraging exploration, awareness, and empathy.Bond's stories inspire protection and conservation, nudging young minds toward sustainable practices.

As a pioneer of modern Indian children's literature, Bond's writings cherish childhood innocence and imagination. His stories seamlessly blend literature and nature, fostering a caring attitude among children.

Bond's experiences and childhood memories inspire his writing, reflecting his deep understanding of children's perspectives and emotions. His works serve as a powerful catalyst for developing eco-consciousness, essential for future generations.

The significance of Bond's contributions extends beyond the realm of children's literature. His stories underscore the vital importance of nature in human life, inspiring children to appreciate and protect the natural world. This emphasis on eco-consciousness ensures a brighter future for generations to come.

By integrating environmental awareness into his narratives, Bond encourages young readers to adopt sustainable lifestyles, mitigating the impact of human activities on the ecosystem. Bond's writing style, characterized by simplicity, lucidity, and depth, has captivated readers across age groups.

His ability to convey complex themes through accessible language has made him a beloved author among children and adults alike. As a champion of eco-consciousness, Bond's legacy reminds us of our collective responsibility to preserve nature, ensuring a harmonious coexistence between human and non-human entities.

In conclusion, Ruskin Bond's remarkable body of work has significantly contributed to the growth of Indian children's literature, instilling eco-consciousness and environmental awareness in young minds. His stories continue to inspire generations, fostering a deep appreciation for nature and promoting sustainable practices.

चित्रा ने रोल बॉल में जीता स्वर्ण पदक

परिसर संवाददाता

मेरठ। गोवा में आयोजित एशियाई रोल बॉल चौंपियनशिप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की छात्रा चित्रा सूर्यवंशी ने स्वर्ण पदक प्राप्त करके अपने परिवार और विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। चित्रा राजनीति विज्ञान विभाग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की छात्रा है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, शिक्षकों और छात्रों ने चित्रा की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसे बधाई दी है।

भाषण में शिवानी व काव्य पाठ में संदीप को प्रथम पुरस्कार

परिसर संवाददाता

मेरठ। साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद एवं हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भाषण एवं एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी हमारे समाज और राजनीति के बड़े व्यक्तित्व थे। उन्होंने अपने सामाजिक कार्यों और राजनीतिक प्रयासों से भारतीय समाज को विकासशील और राजनीति को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया। शिक्षा के क्षेत्र में उनके प्रयास सराहनीय हैं।

उन्होंने अपनी विदेश नीति से भारतीय राजनीति को विश्व स्तर पर स्थापित किया। पूर्व प्रधानमंत्री ने हिंदी भाषा को गरिमा प्रदान की। प्रो. कविता त्यागी मेरठ कालेज, प्रो. ललिता यादव एनएएसपीजी कालेज, डा. विजेता गौतम अंग्रेजी विभाग चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने भी विचार व्यक्त किए।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार शिवानी धामा इतिहास विभाग, द्वितीय पुरस्कार तसनीफ जेहरा वाणिज्य विभाग व तृतीय पुरस्कार प्रियंका वर्मा भूगोल विभाग एवं सांत्वना पुरस्कार शुभम शर्मा, वनस्पति विज्ञान विभाग को मिला। एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार संदीप मिश्रा को मिला।

छात्रों ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व को चित्रों से जीवंत किया

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जयंती समारोह की श्रृंखला में आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों व शिक्षकों ने कविताओं व चित्रों से उनके विराट व्यक्तित्व को जीवंत किया। श्रेष्ठ चित्रकारी के लिए रिद्धिमा प्रथम, भारती द्वितीय व राहुल तृतीय रहे। उन्हें ट्राफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। डा. शालिनी धामा, डा. पूर्णिमा वशिष्ठ, कलाकार आकाश कुमार, डा. रीता सिंह, दीपांजलि, संजय कुमार, प्रियंका सैनी व लक्ष्य कुमार मौजूद रहे।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

प्रतिभा प्रदर्शन : भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की ओर से पांच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। अटल सभागार में आयोजित प्रतियोगिता में अपनी योग कला का प्रदर्शन करती छात्रा जिसकी सभी ने सराहना की।

नव नूतन नवल बनो, प्रबल बनो, धवल बनो, सबल बनो

प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री अशोक कटारिया ने तिलक पत्रकारिता स्कूल में दिया प्रेरणादायक व्याख्यान

शुभी सक्सैना

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में बुधवार चार दिसंबर को उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री अशोक कटारिया ने एक प्रेरणादायक व्याख्यान के दौरान छात्र–छात्राओं को स्वयं के मन पर नियंत्रण करने के लिए कहा। उन्होंने संगति का असर, समय प्रबंधन के लाभ बताए तथा यह भी बताया कि डायरी से अच्छा परम मित्र शायद ही कोई हो सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति अपने मन में कुछ ठान ले तो वह उसे पूरा करने में दिन–रात एक कर सकता है और उसे ऐसा करने से कोई नहीं रोक सकता। हमारी सफलता या विफलता हमारे मन पर ही निर्भर है और इसके लिए कोई और नहीं बल्कि हम ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि हमें समय के साथ चलना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुए वार्ता का अंत कुछ इन शब्दों से किया "नव नूतन नवल बनो, प्रबल बनो, धवल बनो, सबल बनो।" कार्यक्रम में विभाग के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. बीनम यादव, डॉ. दीपिका वर्मा, लव कुमार सिंह, डॉ.मनु कौशिक तथा विभाग के सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री अशोक कटारिया का स्वागत करते विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार (बाएं) और छात्र–छात्राओं को अपने विचारों से प्रेरित करते अशोक कटारिया।

मंगल पांडे कॉलेज की छात्राओं ने तिलक स्कूल का भ्रमण किया

परिसर संवाददाता

मेरठ। शहीद मंगल पांडे डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने गुरुवार 19 दिसंबर को पत्रकारिता के व्यावहारिक पक्ष को समझने, मीडिया संगठनों के कामकाज को करीब से देखने और इस क्षेत्र में अनुभव प्राप्त करने के लिए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में भ्रमण किया।

छात्राओं ने मीडिया संस्थानों, समाचार पत्रों और चैनलों की कार्यप्रणाली को बारीकी से समझा और जाना। खबरों के संपादन, लेखन, और प्रसारण की प्रक्रिया को भी जाना। कैमरा, साउंड और ग्राफिक्स जैसी तकनीकी सुविधाओं का इस्तेमाल कैसे करते हैं, जैसे समाचार पत्र कार्यालय, टेलीविजन चैनल स्टूडियो, पत्रकारिता से जुड़े महत्वपूर्ण स्थान, प्रोडक्शन और पोस्ट–प्रोडक्शन गतिविधि, रेडियो स्टेशन, डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म के बारे में विस्तार से बताया गया।

निदेशक प्रशांत कुमार ने पत्रकारिता के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और तकनीकों की जानकारी, नेटवर्किंग के अवसर के बारे में बताया। इस अवसर पर बीनम यादव, डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में भ्रमण के दौरान शहीद मंगल पांडे डिग्री कॉलेज की छात्राएं।

गलत सूचना का खतरा बढ़ा, इसलिए मीडिया साक्षरता जरूरी : डॉ. सोनिया

सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में हुआ व्याख्यान

परिसर संवाददाता

मेरठ। सूचना और तकनीक के इस दौर में सोशल मीडिया, न्यूज वेबसाइट्स, ब्लॉग्स और वीडियो के माध्यम से तुरंत जानकारी मिलती है। वहीं गलत सूचना और प्रचार का खतरा भी बढ़ गया है। ऐसे में मीडिया साक्षरता जरूरी है। इसका उद्देश्य लोगों को मीडिया सामग्री को समझने, उसका विश्लेषण करने और उसका सही तरीके से उपयोग करने में सक्षम बनाना है। मीडिया सामग्री कैसे बनाई जाती है, इसका क्या उद्देश्य है और वह कैसे हमारे विचारों, भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित करती है, इस बारे में जागरूक होना जरूरी है। ये बातें चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में आयोजित विशेष व्याख्यान के दौरान मुख्य वक्ता डॉ. सोनिया हुड्डा ने कही।

अंडरस्टैंडिंग मीडिया लिटरेसी इन डिजिटल एज विषय पर यह व्याख्यान हुआ। डॉ. सोनिया ने कहा कि यह जानना जरूरी है कि जानकारी कहां से आई है और इसका उद्देश्य क्या है। डिजिटल युग ने सूचना और संचार को लोकतांत्रिक बनाने के साथ ही कई चुनौतियां भी पेश की हैं। आजकल गलत जानकारी तेजी से फैल रही है, जिससे समाज में भ्रम और विभाजन की स्थिति बन रही है। इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी का विशाल भंडार कभी–कभी सही और गलत को अलग करना मुश्किल बना देता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सही व्यवहार जैसे प्राइवेसी का ध्यान रखना और जिम्मेदारी पूर्वक सामग्री साझा करना जरूरी है।

मीडिया साक्षरता पर अपने विचार व्यक्त करतीं डॉ. सोनिया हुड्डा।

स्कूल के निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने कहा कि मीडिया का उपयोग केवल उपभोक्ता के रूप में नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में करना चाहिए। सूचनाओं की पुष्टि करें। किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। डिजिटल युग में मीडिया साक्षरता केवल एक कौशल नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। यह हमें न केवल सही जानकारी तक पहुंचने में मदद करती है, बल्कि हमें जिम्मेदार डिजिटल नागरिक बनने में भी सक्षम बनाती है।

इस अवसर पर डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, लव कुमार, बीनम यादव मनु कौशिक, मितेंद्र कुमार गुप्ता, ज्योति वर्मा और विभाग के सभी छात्र व छात्राएं मौजूद रहे।

खेलः एल्युमिनी इलेवन ने मासकॉम इलेवन पर दर्ज की जीत

परिसर संवाददाता

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल मेरठ के विद्यार्थियों और पुरातन छात्रों के बीच क्रिकेट मैत्री मैच खेला गया। टॉस जीतकर तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के छात्रों ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवरों में 142 रन बनाए जिसका पीछा करते हुए पुरातन छात्रों ने 16 ओवर में 143 रन बनाकर 7 विकेट से मैच जीत लिया।

वीनस शर्मा ने कप्तानी पारी खेलते हुए 50 से अधिक रन बनाएं, जबकि तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्कोर बोर्ड पर डा. मनोज कुमार श्रीवास्तव रहे जबकि मितेंद्र गुप्ता तथा राकेश कुमार अंपायर रहे।

वहीं, इनडोर बैडमिंटन हॉल में लड़कियों के बीच सिंगल जबकि लड़कों के बीच डबल बैडमिंटन मैच खेला गया। लड़कियों में दीक्षा धामा ने खुशी वर्मा को हराते हुए फाइनल मैच जीता। लड़कों में सूर्यांश व अर्जुन की जोड़ी ने शिवम और तनिष्क को हराकर फाइनल जीता। इस अवसर पर डॉ. दीपिका वर्मा, लव कुमार आदि मौजूद रहे।

क्रिकेट मैच की विजेता टीम के खिलाड़ी ट्राफी के साथ।

भारत रत्न का स्मरण : चौधरी चरण सिंह जयंती पर विश्वविद्यालय में पांच दिनी कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन हुआ। इस दौरान उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण के अतिरिक्त हवन किया गया, रैली निकाली गई, गोष्ठी, नृत्य समेत अनेक प्रतियोगिताएं हुईं और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

जयंती पर याद किए गए भारत रत्न चौधरी चरण सिंह

आयोजित हुई पांच दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला

नृत्य प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करती छात्राएं।

परिसर संवाददाता

मेरठ। भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की ओर से पांच दिवसीय कार्यक्रम गुरुवार 19 दिसंबर से 23 दिसंबर तक आयोजित किए गए।

अटल सभागार में एकल एवं समूह नृत्य प्रतियोगिता के साथ शुभारंभ हुआ। साहित्यक–सांस्कृतिक परिषद् के तत्वावधान में हुए कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, रजिस्टर धीरेंद्र कुमार, परिषद के समन्वयक प्रो. केके शर्मा, संयोजिका प्रो. आराधना, चीफ प्रॉक्टर प्रो. वीरपाल आदि ने संयुक्त रूप से किया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने सोलो और ग्रुप डांस के माध्यम से अपनी लोक–सांस्कृतिक प्रतिभा की झलक पेश की।

निर्णायक मंडल में तान्या डांस एंड म्यूजिक अकादमी की संस्थापक तान्या सिंघल और संगीतकार शैल शर्मा रहीं।

समूह नृत्य में विधि विभाग के सागर एंड टीम को तृतीय, माछरा कॉलेज को द्वितीय और इस्माइल पीजी को प्रथम पुरस्कार मिला।

एकल नृत्य प्रतियोगिता में आरजीपीजी कॉलेज की काजल चौधरी तृतीय, आरजीपीजी की दीपांशी द्वितीय और विवि परिसर के अंग्रेजी विभाग की वर्णिका प्रथम रहीं।

वीडियोग्राफी में कुलदीप अव्वल

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह जयंती के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन अटल सभागार में फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. वीरपाल और प्रो. बिंदु शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर की। योग विज्ञान विभाग के छात्र–छात्राओं ने गणेश वंदना व प्राची ने योग का प्रदर्शन किया। सभी ने प्राची की सराहना की।

छात्रों ने रचनात्मक एवं प्रतिभापूर्ण छाया चित्रों से विश्वविद्यालय को दर्शाया। वीडियोग्राफी के माध्यम से छात्रों का कौशल सभी ने सराहा।

फोटोग्राफी में 30, वीडियोग्राफी प्रतियोगिता में 20 प्रतिभागियों ने शिरकत की। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान स्टैफिन विलसन (निस्कोर्ट मीडिया कॉलेज गाजियाबाद), द्वितीय स्थान राखी सिंह (योग विज्ञान सीसीएसयू), तृतीय स्थान हिमा मावी (एससीआर आईईटी सीसीएसयू), विडियोग्राफी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कुलदीप (इतिहास विभाग सीसीएसयू), द्वितीय स्थान आदित्य प्रताप सिंह (एससीआर आईईटी सीसीएसयू) और तृतीय स्थान संस्कार जायसवाल (एससीआर आईईटी सीसीएसयू) ने प्राप्त किया।

फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतियोगिता के विजेता छात्र–छात्राएं।

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर विद्या मंदिर की ओर से निकाली गई रैली में शामिल कुलपति।

चौधरी चरण सिंह की जयंती पर हुआ हवन, निकली रैली

परिसर संवाददाता

मेरठ। भारत रत्न, स्वतंत्रता सेनानी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर सीसीएसयू में हवन किया गया। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपना पूरा जीवन ईमानदारी से बिताया। उन्होंने से काम किया। उनकी जयंती पर हम सभी संकल्प लें कि पूरी ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा, वित्त अधिकारी रमेश चंद्र, चीफ प्रॉक्टर प्रो. वीरपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

चौ. चरण सिंह की जयंती पर कैंपस भलाई के लिए हमेशा अपनी पूरी ताकत स्थित विद्या मंदिर की ओर से रैली का आयोजन किया गया। शुभारंभ कुलपति ने किया गया। वित्त नियंत्रक रमेश चंद, कुलसचिव धीरेंद्र कुमार, प्रो. वीरपाल, नीलू जैन, मनीष मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार, प्रबंधक अनिल कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार गुप्ता, अलका तिवारी आदि मौजूद रहे। प्रधानाचार्य शर्मिष्ठा भाटी ने आभार व्यक्त किया।

ओजपूर्ण काव्य पाठ से किया भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को नमन

परिसर संवाददाता

मेरठ। विश्वविद्यालय में चौधरी चरण सिंह जयंती के उपलक्ष्य में साहित्यक–सांस्कृतिक परिषद की ओर से कवि सम्मेलन हुआ। इसमें वरिष्ठ कवि डा. हरिओम पंवार सहित ग्वालियर, मेरठ के कवियों ने मंच से ओजपूर्ण काव्य पाठ कर भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को नमन किया। विवि कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने मंचासीन कवियों का आभार व्यक्त किया।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस प्रेक्षागृह में हुए अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का शुभारंभ वीसी प्रो. संगीता शुक्ला, डा. हरिओम पंवार, केके शर्मा, डा. नीलू जैन गुप्ता, कवि रविंद्र रवि, अर्जुन सिसोदिया, प्रवीन शुक्ला आदि ने चौधरी चरण सिंह और मां शारदे के चित्र समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया। संचालन कर रहे कवि प्रवीन शुक्ला ने मंचासीन कवियों का परिचय दिया।

संभल से आए कवि डा. सौरभ कांत शर्मा ने काव्य पाठ करते हुए कहा, *धर्म रक्षा के लिए प्राण पण करें प्रतिकार, लव कुश जैसी संतान मांगता हूं मैं। दमन करें, आसुरीय शक्तियों का राष्ट्र में जो, ऐसा वीर भक्त हनुमान मांगता हूं...।*

कवि डा. अर्जुन सिसोदिया ने कहा कि *युद्ध नहीं जिनके जीवन में वे भी बड़े अभागे होंगे या तो प्रण को तोड़ा होगा या फिर रण से भागे होंगे।* कवि डा. प्रवीन शुक्ल ने *खरे करता है सारे काम, कुछ खोटा नहीं करता, अहम का अपने चारों ओर, परक. ोटा नहीं करता, बड़ा है आदमी सच में वही किरदार से अपने, कमी जो सामने वाले का कद छोटा नहीं करता* से दर्शक दीर्घा में उपस्थित काव्य प्रेमियों से संवाद किया।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में आयोजित कवि सम्मेलन में कविता पाठ करते हरिओम पंवार।

मेरठ के कवि फखरी मेरठी ने *हम उजालों के अलमदार हैं, हम सूरज हैं, किसी कीमत पे अंधेरे में नहीं आ सकते। कत्ल करना है तो तुम दोस्ती कर लो हमसे, हम किसी गैर के धोखे में नहीं आ सकते* का पाठ किया।

ग्वालियर से आए कवि रविंद्र रवि ने *सभी को इस जमाने में सभी चीजें नहीं मिलतीं, किसी बाजार में अनमोल तहजीब में नहीं मिलतीं, जहां की हर अदालत से बड़ी कोई अदालत है, वहां बस फैसले होते हैं, तारीखें नहीं मिलतीं है* का पाठ किया।

इसी कड़ी में मेरठ के कवि सुमनेश सुमन ने मंच से *स्वाभिमान भारत का रथ यह कहीं नहीं रुकने देंगे और किसी दुश्मन के आगे देश नहीं झुकने देंगे* से हुंकार भरी।

कवियत्री स्वेता गर्ग स्वाती ने *न्याय को अब कौन बचाए, न्याय के चौकीदारों से, न्याय यारों आज बिक रहा, हर गली... चौराहे पर न्याय की सुनवाई नहीं है, न्याय के ही दरबारों पर* कविता सुनाई।

आयोजन समिति में शामिल कवि डा. हरिओम पंवार ने कहा कि इस दिन विशेष पर अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की कई वर्षों से निभाई जा रही परंपरा को वह हर हाल में जीवित रखना चाहेंगे।

उन्होंने भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को नमन करते हुए उन्हें किसान का मसीहा के रूप में परिलक्षित किया।